

## जानिए, 37 साल की "लेडी तस्कर" की कहानी! 67 साल के पिता के साथ हुई गिरफ्तार

हाथियों के शिकार का खुलासा साल 2015 में उस वक़्त हुआ था जब वन्य एवं पशु सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने एक गाड़ी को पकड़ा था जो हाथियों के शिकार में इनकी मदद करता था।



जनसत्ता ऑनलाइन

March 13, 2019 3:26 PM



अपने पिता सुधीश चंद्र बाबू के साथ अमिथा। फोटो सोर्स - Indian Express

37 साल की यह महिला इतनी शातिर थी कि वो सालों से पुलिस की आंखों में धूल झोंकती आ रही थी। अमिथा चंद्र बाबू नाम की इस महिला को दबोचने के लिए कस्टम डिपार्टमेंट और वन्य जीव सुरक्षा से जुड़े अधिकारी पिछले तीन सालों से प्रयास कर रहे थे। मूल रूप से अमिथा तिरुवनंतपुरम की रहने वाली थी लेकिन जब वन्य अधिकारियों और पुलिस ने इसकी गिरफ्तारी को लेकर वहां दबिश दी तब वो साल 2015 में कोलकाता आ गई थी। दरअसल अमिथा हाथी दांत की तस्करी में माहिर थी और उसका यह धंधा विदेश तक फैला हुआ था। तस्करी के इस खेल का पर्दाफाश करने के लिए डायरेक्टर ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) के अधिकारियों ने जाल बिछा कर कामयाबी हासिल की। डीआरआई की टीम ने बीते 11 मार्च, 2019 को अमिथा को उस वक़्त गिरफ्तार किया जब वो सोनागाछी स्टेशन पर अपने 67 साल के पिता सुधीश चंद्र बाबू को रिसेव करने गई थी। टीम ने कोना एक्सप्रेस-वे के पास इनकी गाड़ी को तलाशी के लिए रोका और फिर इनकी गाड़ी से 3 किलोग्राम हांती दांत बरामद किया गया। बाजार में इनकी कीमत लाखों में हैं।

इसके बाद डीआरआई के अधिकारियों ने अमिथा के कोलकाता स्थित कस्बा अपार्टमेंट में छापेमारी भी की। टीम ने राजडांगा में उनके घर की तलाशी ली तो विभिन्न देवी-देवताओं की 10 मूर्तियां, दो मूर्तियों का ढांचा, एक पैकेट ज्वेलरी, नौ पैकेट हाथी दांत के कटे हुए टुकड़े, 4 पैकेट हाथी दांत का डस्ट और एक कंची बरामद किया गया। ये सभी हाथी दांते से बने थे। इस महिला के घर से मिले सभी सामानों की कीमत करोड़ों में है। कस्टम डिपार्टमेंट की इस रेड में इस बात का भी खुलासा हुआ कि सुधीश की पत्नी यानी अमिथा की मां केरल में हाथी के शिकार के एक मामले में वांछित है। साल 2015 के इस मामले में उसका बेटा भी फरार है।

अमिथा का पूरा परिवार मूल रूप से तिरुअनंतपुरम का रहने वाला है और जब यहां फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने हाथी दांत की तस्करी के मामले में इनकी तलाश शुरू की तो यह सभी कोलकाता चले गए। जानकारी के मुताबिक यह परिवार पिछले चार साल से वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो के रडार पर था। हाथियों के शिकार का खुलासा साल 2015 में उस वक्त हुआ था जब वन्य एवं पशु सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने एक गार्ड को पकड़ा था जो हाथियों के शिकार में इनकी मदद करता था। उस वक्त 400 किलोग्राम हाथी दांत बरामद किए गए थे। वन्य अधिकारियों की टीम इस परिवार की तलाश में पहले भी कोलकाता आई थी लेकिन उस वक्त उन्हें कुछ भी सुराग हाथ नहीं लगा था।

जो हाथी दांत सोमवार को इस महिला के पास से बरामद किए गए हैं वो सभी नेपाल भेजे जाने थे। डीआरआई अधिकारियों के मुताबिक सुधीश और अमिथा हाथी दांत को एक खरीदार को बेचने वाले थे जो सिलीगुड़ी के रास्ते इस हाथी दांत को नेपाल भेजने के चक्कर में थे। जानकारी के मुताबिक यह तस्कर महज 20,000 से 50,000 रुपए में भी 1 किलो हाथी दांत बेच दिया करते थे।

कोलकाता में अमिथा के पड़ोसियों ने जांच अधिकारियों को बताया कि अमिथा आसपास के लोगों से काफी कम बातचीत किया करती थी। वैसे तो वो यहां अकेले रहा करती थी लेकिन कभी-कभी उसके परिवार के अन्य सदस्य भी यहां आया करते थे। बहरहाल आपको बता दें कि वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट, 1972 की धारा 1 के तहत जानवरों को मारना और उनके दांत, हड्डी, चमड़ा, इत्यादि रखना कानूनन जुर्म है तथा इस जुर्म के लिए तीन साल की जेल और 50,000 रुपया जुर्माने का भी प्रवाधान है। (और...[CRIME NEWS](#))

## Dad & daughter held, ivory haul from car and home

Two pieces of elephant tusk weighing around 3kg were found in Sudheesh Chandra Babu's Volkswagen Vento

By [Debraj Mitra](#) in Calcutta

Published 13.03.19, 2:56 AM • Updated 13.03.19, 2:56 AM

2 mins read •

**A** woman and her father, who she had gone to pick up from Santragachhi station on his arrival from Kottayam, were arrested on the way to their home in Kasba on Monday and identified as ivory traders on the forest department's radar for several years.

Two pieces of elephant tusk weighing around 3kg were found in the Volkswagen Vento in which the father and daughter were headed home. A raid on their Kasba apartment yielded several intricately carved ivory statuettes. The combined worth of the hauls would be several crores, sources in the forest department said.

Elephants are protected under Schedule 1 of the Wildlife Protection Act, 1972. Killing the animal or keeping any ivory item can invite at least three years in jail and a fine of Rs 50,000.

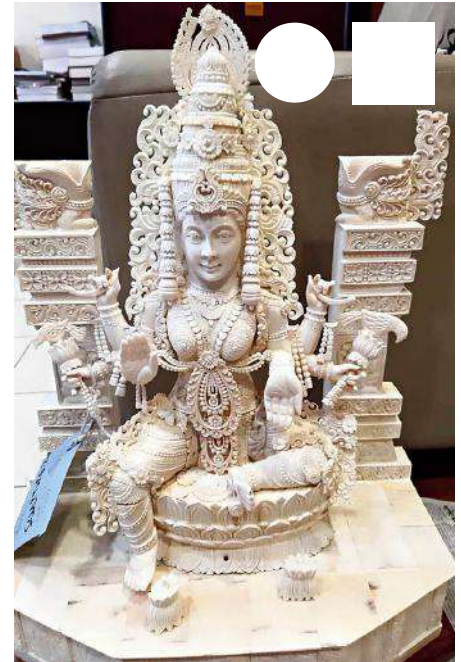
"Sudheesh Chandra Babu, 67, and his daughter Amitha SC Babu, 37, were in the Vento that was stopped at the intersection of Kona Expressway and Carry Road around 11.15am on Monday," said an official of the Directorate of Revenue Intelligence (DRI), the intelligence wing of the customs department that made the arrests.

Sudheesh's wife, wanted in a 2015 elephant poaching case in Kerala, and their son are absconding, the official said.

"She goes by the moniker Calcutta Thankachi (sister)," said an official of the Wildlife Crime Control Bureau, which is assisting the DRI in the case.

The family, originally from Thiruvananthapuram, shifted base to Calcutta after forest officials and police in Kerala launched a hunt for them.

Sudheesh and his family would procure elephant tusks from Kerala and hire artisans from Thiruvananthapuram to carve the ivory, the official said.



An ivory statuette seized from the Kasba home of Sudheesh Chandra Babu and Amitha SC Babu on Tuesday. Gautam Bose





Another ivory statuette seized from the Kasba home of Sudheesh Chandra Babu and Amitha SC Babu on Tuesday.

Gautam Bose

Wildlife Crime Control Bureau sources said the family has been on the radar of forest sleuths for at least four years. The family's involvement in poaching was revealed in 2015 after the confession of a former forest watcher who moonlighted as a guide for poachers led to the arrest of 50 persons and seizure of over 400kg of ivory.

"A team from Kerala came to Calcutta a couple of years ago to look for them but drew a blank," an official said.

The tusks seized on Monday were en route to Nepal, a senior DRI official said. "Sudheesh and his daughter would have sold the tusks to a buyer in Calcutta who would then send them to Nepal via Siliguri," the official said.

The father and daughter were produced in Bankshall court on Tuesday and remanded in judicial custody till March 19.

The DRI pegged the combined worth of the haul at over Rs 1 crore. But sources in the forest department said the actual worth of the haul would be at least a few crores. "A kilo of ivory sells for anything between Rs 20,000 and Rs 50,000" said the official.

The ivory statues seized from the Kasba apartment were intricately carved figurines of Hindu deities with decorated wooden bases. An ivory comb and a packet of ivory jewellery were also seized.



When Metro visited the apartment on Rajdanga Main Road, it was locked. Two men were sleeping in the garage. One of them identified himself as the family's driver. The other said he was a craftsman from Thiruvananthapuram and made the wooden bases for the statues.



Two pieces of elephant tusk that were found in Sudheesh Chandra Babu's Volkswagen Vento.  
Gautam Bose

The driver said the family had rented the apartment three years ago but Sudheesh has been coming to Calcutta for at least a decade. Amitha stayed in the city while the other family members would come and go, he said.

Neighbours said the family kept to themselves and rarely interacted with anyone in the locality.

---